सं ई 11021/1/2021-हिन्दी /656-756

भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

(हिन्दी अनुभाग)

श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग,

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर, 2021

परिपत्र

विषय-: हिन्दी पखवाड़ा, 2021 के अवसर पर माननीय जल शक्ति मंत्री और सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग) महोदय की ओर से जारी संदेश और अपील ।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में दिनांक 14.09.2021 को **हिन्दी दिवस** के अवसर पर माननीय जल शक्ति मंत्री और सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग) महोदय की ओर से जारी संदेश और अपील जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए इस परिपत्र के साथ संलग्न है ।

2. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के सभी संगठनों के अध्यक्षों/प्रमुखों से अनुरोध है कि वे इन उपर्युक्त संदेश व अपील के महत्व को ध्यान में रखते हुए इनमें निहित तथ्यों एवं भावनाओं को अपने संगठन में कार्यरत समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंचाएं । उनसे यह भी अनुरोध है कि अपने कार्यालयों से प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं में भी उपर्युक्त संदेश और अपील प्रकाशित किए जाएं ।

संलग्नक- यथोपरि

13-9-2021

(अनिल कुमार)

सहायक निदेशक (रा.भा.)

दूरभाष : 23719033

सेवा में-

1. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के सभी अधिकारी/सभी अनुभाग/डेस्क एकक
2. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के समस्त संगठनों के अध्यक्ष/प्रमुख ।

प्रति सूचनार्थ

1. जल शक्ति मंत्री जी के निजी सचिव ।
2. जल शक्ति राज्य मंत्री जी के निजी सचिव ।
3. सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के निजी सचिव ।
4. अपर सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के निजी सचिव ।
5. संयुक्त सचिव (प्रशा.)/संयुक्त सचिव (पीपी एवं आरडी)/संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार/ आर्थिक सलाहकार एवं राजभाषा प्रभारी के निजी सचिव ।

गजेन्द्र सिंह शेखावत
Gajendra Singh Shekhawat

सत्यमेव जयते

जल शक्ति मंत्री
भारत सरकार
Minister for Jal Shakti
Government of India

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

0 8 SEP 2021

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर आपको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत एक बहुभाषी देश है। यहां की सभी भाषाएं अपने आपमें समृद्ध और सक्षम हैं। हमारे संविधान निर्माताओं ने काफी सोच-विचार के बाद 14 सितम्बर, 1949 के दिन हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया है और संविधान सभा ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया था कि स्वतंत्र भारत की राजभाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिन्दी होगी। उस समय भी यह एक ऐसी भाषा थी जिसे भारत की अधिकतर जनता बोल सकती थी।

राजभाषा के रूप में हिन्दी स्वीकार करने का मुख्य उद्देश्य है कि जनता का काम जनता की भाषा में सम्पन्न हो, उसमें कठिन भाषा शैली के लिए कोई स्थान नहीं होता। सरकारी कामकाज में हिन्दी की प्रगति एवं प्रचार-प्रसार के लिए आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए। कार्यालय की भाषा में कठिन शब्दों का प्रयोग करके उसे बोझिल न बनाए।

आज के संदर्भ में जल संचयन और जल के उचित प्रयोग जैसे विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है। जल शक्ति मंत्रालय के जल से जुड़े हुए कार्यकलापों से संबंधित जानकारी आम जनता की समझ में आने वाली सरल भाषा में प्रदान की जानी चाहिए। ऐसा करके हम अपने दायित्व को और अधिक महत्वपूर्ण ढंग से पूरा कर सकते हैं।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में उत्साह के साथ 'हिन्दी पखवाड़ा' समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर हम संकल्प लें कि हम अपने कामकाज में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करके संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण की भावना का परिचय दें।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सब को पुनः मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

जल शक्ति
अभियान
संचय जल, बेहतर कल

Office : 210, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
Tel: No. (011) 23711780, 23714663, 23714200, Fax : (011) 23710804
E-mail : minister-jalshakti@gov.in

विश्वेश्वर टुडु
BISHWESWAR TUDU

सत्यमेव जयते

जल शक्ति एवं
जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE FOR
JAL SHAKTI & TRIBAL AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI - 110001

संदेश

हिंदी दिवस पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

हिन्दी हमारे देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। भारत के संविधान के अनुसार भी संघ की राजभाषा हिन्दी है। राजभाषा हिन्दी में सरकारी कामकाज करने से सरकार और जनता के बीच परस्पर विश्वास बढ़ता है इसलिए हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करें। हमारा देश एक बहु-भाषी देश है जहां अनेक संस्कृतियां विद्यमान हैं। हिन्दी एक सेतु के रुप में काम कर रही है जो भारत की विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं, और संप्रदायों को आपस में जोड़ती है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए सरकार ने अनेक सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराए हैं। कंप्यूटरों पर हिन्दी में काम करने में अब कोई कठिनाई नहीं है। अलग से किसी हिन्दी सॉफ्टवेयर के बगैर कंप्यूटरों पर यूनिकोड समर्थित फॉन्टस् के साथ आसानी से हिन्दी मे कार्य किया जा सकता है। साथ ही यह भी जरूरी है कि हम कम्प्यूटरों पर उपलब्ध इन आधुनिक सुविधाओं के उपयोग से हिन्दी को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें और राजभाषा द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की ईमानदार कोशिश करें।

मुझे उम्मीद है कि जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के अधिक से अधिक अधिकारी और कर्मचारी 'हिन्दी पखवाड़ा' समारोह के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे।

'हिन्दी पखवाड़े' के इस शुभ अवसर पर मैं आप सभी को बधाई देते हुए 'हिन्दी पखवाड़े' की सफलता की कामना करता हूँ।

14.9.2021

(विश्वेश्वर टुडु)

215, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली -110 001, 215, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
दूरभाष : (011) 23708419, 23718759, फैक्स : 011-23354496, Tel. : (011) 23708419, 23718759, Fax : 011-23354496
415, 'बी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली -110 001, 415,'B' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001
दूरभाष : (011) 23070580, 23070669, Tel. : (011) 23070580, 23070669, E-mail : mos-tribalaffairs.gov.in

प्रहलाद सिंह पटेल
Prahlad Singh Patel

जल शक्ति एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
राज्य मंत्री
भारत सरकार, नई दिल्ली
Minister of State for Jal Shakti and
Food Processing Industries
Government of India, New Delhi

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,
बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल ।

हिन्दी के पुरोधा साहित्यकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने अपनी प्रसिद्ध कविता निज भाषा में मानों हम सबकी बात कह दी है। मैं मानता हूं कि जिस तरह से किसी भी व्यक्ति की चेतना का निर्माण उसका धर्म, संस्कृति और साहित्य करता है। उसी तरह उसके मौलिक विचारों का जन्म भी उसकी अपनी भाषा में ही होता है। हम दिखावा भले कितना ही कर लें, लेकिन हमारे विचारों के विकास और सहजता के लिए, निज भाषा ही जरूरी है। राजभाषा होने के नाते हम सबका कर्तव्य भी बन जाता है कि हम सब अपना कार्य हिंदी में ही करें और इसके विकास में अपना योगदान दें।

जल अगर रुक जाता है, तो खराब होने लगता है। प्रवाह में रहता है, तो उसकी निर्मलता बनी रहती है। इसी तरह अगर हम अपनी राजभाषा का इस्तेमाल अपने कार्यालय के कार्यों में, बोलचाल में, पढ़ने-लिखने में करते रहेंगे तो हमारी भाषा हिन्दी का प्रवाह बना रहेगा और वह समृद्ध होती रहेगी। जिस तरह का आत्मसम्मान हमारे भीतर आकाश में लहराता तिरंगा जगाता है। वही स्वाभिमान हमारे भीतर समृद्ध सांस्कृतिक मूल्यों का गान करती, हिन्दी जगाती है।

हिन्दी दिवस के अवसर पर आप सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रहलाद सिंह...
(प्रहलाद सिंह पटेल)
10/9/21

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग : कमरा न.- 901, 'बी-1' विंग, पं दीनदयाल अंत्योदय भवन,
सी.जी.ओ. काम्पलैक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110 003, दूरभाष : 011-24368617, 24368618, 24368622
Department of Drinking Water and Sanitation : Room No. 901, 'B-1' Wing, Pt. Deendayal Antyodaya Bhawan,
C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi - 110 003, Tel : 011-24368617,24368618, 24368622
कैम्प कार्यालय : 7-'बी' जनपथ, नई दिल्ली- 110001, दूरभाष : 011-23017383, मो. : 09096397307
Camp Office : 7-'B', Janpath, New Delhi -110001, Tel. : 011-23017383,, Mob. : 09096397307
E-mail : office.pspatel@gmail.com

पंकज कुमार
PANKAJ KUMAR
सचिव
SECRETARY
Tel. : 23710305, 23715919
Fax : 23731553
E-mail : secy-mowr@nic.in

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास
और गंगा संरक्षण विभाग
श्रम शक्ति भवन
रफी मार्ग, नई दिल्ली-110 001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF JAL SHAKTI
DEPARTMENT OF WATER RESOURCES,
RIVER DEVELOPMENT & GANGA REJUVENATION
SHRAM SHAKTI BHAWAN
RAFI MARG, NEW DELHI-110 001
http://www.mowr.gov.in

अपील

भारत के संविधान के अनुसार भारत संघ की राजभाषा हिन्दी है। भारत में हिन्दी की व्यापकता और लोकप्रियता को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। हमारा यह दायित्व है कि केन्द्र सरकार के कार्यालयों में अधिकाधिक कार्य राजभाषा हिन्दी में करें। किसी भी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। भाषा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम होती है। हिन्दी का प्रयोग बढ़ाना एक राष्ट्रीय कार्य है।

सरकारी कामकाज में पिछले कई वर्षों से हिन्दी का प्रयोग आगे बढ़ा है। हिन्दी को आगे बढ़ाने में विभिन्न प्रकार के मीडिया/सोशल मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, परन्तु उसी गति से सरकारी फाइलों में इसका प्रयोग नहीं बढ़ पाया है। सरकारी दफ्तरों में हिन्दी की गति को तीव्रता देने के लिए अभी और प्रयास करने की जरूरत है।

विभाग में दिनांक 14 सितम्बर, 2021 से 28 सितम्बर, 2021 तक "हिन्दी पखवाड़ा" आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान हिन्दी से संबंधित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिताएं न केवल आकर्षक हैं बल्कि ज्ञानवर्धक भी हैं। मुझे उम्मीद है कि विभाग के अधिक से अधिक अधिकारी और कर्मचारी इसमें भाग लेंगे और यह आयोजन हिन्दी में काम करने के लिए आप सभी को उत्साह और प्रेरणा प्रदान करेगा। हिन्दी में काम करने की भावना केवल हिन्दी पखवाड़े तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे वर्ष हिन्दी में कार्य किया जाना चाहिए ताकि हम अपने संवैधानिक दायित्वों को निभा सकें।

मुझे विश्वास है कि विभिन्न भाषाओं में सौहार्दपूर्ण समन्वय से हमारे मंत्रालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने सक्रिय सहयोग से राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देंगे।

इस अवसर पर, मैं आप सभी को बधाई देता हूँ और **'हिन्दी पखवाड़े'** के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

(पंकज कुमार)